कुशलायतन

जुलाई 2015

वर्ष - 6 अंक - 9 web : www.kushlayatan.com आर.एन.आई. NO.: RAJHIN 2009/31656

बड़ा उपासरा और श्रीपूज्य परम्परा

बड़ा उपासरा

बड़ा उपासरा खरतरगच्छ का प्रमुख स्थल है। बड़ा उपासरा की स्थापना अकबर प्रतिबोधक चौथे दादागुरुदेव श्री जिनचन्द्र सूरिजी द्वारा हुई। बड़ा उपासरा चौथे दादागुरुदेव की साधनास्थली है। एक हज़ार वर्ष से श्रीपूज्य परम्परा चली आ रही है। इस परंपरा में सदा वर्तमान आचार्य भावी आचार्य का निर्णय करता है। ऐसा संभव नहीं होने पर पूर्व आचार्य के निर्देश के अनुसार आचार्य का निर्णय होता हैं। ऐसा भी संभव नहीं होने पर मात्र यति समुदाय आचार्य का निर्णय करता है। आचार्य के निर्णय की इस प्रक्रिया में किसी भी अन्य से परामर्श करना अथवा किसी भी अन्य की राय लेना बिलकुल भी जरूरी नहीं होता।

चार दादा गुरुदेवों के उत्तराधिकारी की पहचान स्वरूप इस परम्परा में सदा हर चौथे आचार्य का नाम जिनचन्द्र सूरि होता है। चार दादागुरुदेवों में चौथे दादागुरुदेव जिनचन्द्र सूरिजी नाम से हुए। प्रथम दादागुरुदेव के शिष्य भी जिनचन्द्र सूरिजी हुए- जिन्हें मणिधारी दादा गुरुदेव भी कहा जाता है । तीसरे दादागुरुदेव भी जिनचन्द्र सूरि के शिष्य हुए। वर्तमान खरतरगच्छाधिपति परम पूज्य गुरुदेव जैनाचार्य श्रीपूज्य जी श्री जिनचंद्र सूरिजी महाराज साहब भी चार दादा गुरुदेवों की परम्परा में चौथा स्थान होने के कारण जिनचन्द्र सूरि नाम हुआ।

बड़ा उपासरा में हर रोज सत्य साधना होती रहती है। महापर्व पर्युषण यहां साधनामय स्वरूप लिये हुए रहता है। अनेक साधक-साधिकाएं यहां आकर सम्पूर्ण मौनपूर्वक सत्य साधना करते हुए पर्युषण पर्व की आराधना कर रहे हैं। यहां हर रविवार प्रातः 9 से 11 बजे बच्चों के लिए सत्य साधना बाल शिविर होते हैं। यहां समय-समय पर साधक दस दिवसीय सत्य साधना के स्वयं-शिविर करते रहते हैं।

श्रीपूज्य परम्परा

- श्री उद्योतन सूरिजी
- श्री वर्धमान सूरिजी
- श्री जिनेश्वर सूरिजी
- *श्री जिनचन्द्र सूरिजी*
- श्री अभयदेव सूरिजी
- श्री जिनवल्लभ सूरिजी
- **दादागुरुदेव श्री जिनदत्त सूरिजी**
- **दादागुरुदेव, मणिधारी श्री जिनचन्द्र सूरिजी**
- श्री जिनपति सूरिजी
- श्री जिनेश्वर सूरिजी
- श्री जिनप्रबोध सूरिजी
- *श्री जिनचन्द्र सूरिजी*
- **दादागुरुदेव श्री जिनकुशल सूरिजी**
- श्री जिनपद्म सूरिजी
- श्री जिनलब्धि सूरिजी
- *श्री जिनचन्द्र सूरिजी*
- श्री जिनोदय सूरिजी
- श्री जिनराज सूरिजी
- श्री जिनभद्र सूरिजी
- *श्री जिनचन्द्र सूरिजी*
- श्री जिनसमुद्र सूरिजी
- श्री जिनहंस सूरिजी
- श्री जिनमाणिक सूरिजी
- **दादागुरुदेव, बड़ा उपासरा संस्थापक श्री जिनचन्द्र सूरिजी**
- श्री जिनसिंह सूरिजी
- श्री जिनराज सूरिजी
- श्री जिनरत्न सूरिजी
- *श्री जिनचन्द्र सूरिजी*
- श्री जिनसुख सूरिजी
- श्री जिनभक्ति सूरिजी
- श्री जिनलाभ सूरिजी
- *श्री जिनचन्द्र सूरिजी*
- श्री जिनहर्ष सूरिजी
- श्री जिनसौभाग्य सूरिजी
- श्री जिनहंस सूरिजी
- *श्री जिनचन्द्र सूरिजी*
- श्री जिनकीर्ति सूरिजी
- श्री जिनचारित्र सूरिजी
- श्री जिनविजयेन्द्र सूरिजी
- *वर्तमान श्री जिनचन्द्र सूरिजी*

स्वस्थ मन का निर्माण सत्य साधना से संभव

बीकानेर, 1 जून। स्वस्थ मन का निर्माण सत्य साधना से संभव होता है। सत्य साधना को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाने वाले सौभाग्यशाली साधक-साधिकाएं स्वस्थ मन के स्वामी बनते जा रहे हैं। स्वस्थ मन के कारण उनका तन-शरीर भी स्वस्थ होता है। सत्यसाधना विधि का ही प्रताप है कि निरन्तर प्रतिदिन अभ्यास करने से विकार धीरे-धीरे समाप्त होने लगते हैं। साथ ही साथ नये दोष भी मन में समा नहीं पाते। इस विधि से मन के मैल की परतें धुलती चली जाती हैं। मन का स्वभाव शुद्धतापूर्ण होने लगता है। विडम्बना यह है कि व्यक्ति अपने तन को तो स्वस्थ रखने के लाख जतन करता है, किन्तु मन को स्वस्थ करने की दिशा में पहल नहीं कर पाता। परिणाम-स्वरूप तन से स्वस्थ और भले-चंगे दिखने वाले लोग मन की बीमारियों से त्रस्त देखे गए हैं। सत्य साधना मन को स्वस्थ करने की कल्याणकारी विधि है। यही कारण है कि साधना करने वाले सज्जन नर-नारी, वृद्ध-युवा, किशोर, बालक-बालिका अपेक्षाकृत अपने-अपने क्षेत्र में अधिक सफल हो रहे है । शिविर में रहकर सत्य साधना करते हुए आपने अपनी सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाना सीख लिया है। यह उद्‌गार परम पूज्य गुरुदेव जैनाचार्य श्री जिनचन्द्र सूरिजी महाराज साहब ने जैन यति गुरुकुल संस्थान द्वारा आयोजित दस दिवसीय सत्य साधना शिविर के समापन अवसर पर व्यक्त किये ।

लगन

एक बार एक शिष्य अपने गुरुदेव से यह पूछने गया कि गुरुदेव जब में ध्यान लगाता हूँ तो मेरा मन ध्यान में नहीं लगता है क्या कारण है ? गुरुदेव ने उससे पूछा कि तुम क्या करते हो ? उसने कहा कि मैं व्यापार करता हूँ। गुरुदेव ने फिर उससे कहा अच्छा जब तुम व्यापार करते हो और चारों तरफ ग्राहकों से घिरे रहते हो तो उस समय यदि तुम्हें कोई संगीत सुनाने आए और कहे कि पहले आप मेरा संगीत सुन लो तो क्या आप उसका संगीत सुनोगे? शिष्य ने कहा, नहीं, नहीं। मैं तो उससे कहूँगा कि अभी तुम जाओ यह समय मेरे व्यापार करने का है। गुरुदेव ने फिर कहा, अच्छा यदि कोई संबंधी मिलने आ गया तो क्या करोगे? शिष्य ने कहा, अरे कहना क्या, मैं तो उससे कहूँगा बाद में मिलना अभी समय नहीं है। अच्छा, गुरुदेव ने कहा कि यदि तुम्हारा लड़का तुम्हें खाना खाने के लिए बुलाने आए कि खाना ठंडा हो रहा है तो तुम क्या कहोगे? शिष्य ने कहा, कहना क्या है, यही कहूँगा कि अरे, खाना ठंडा होने दो मैं ठंडा ही खा लूँगा। व्यापार करते समय कोई भी मुझे परेशान करे मुझे अच्छा नहीं लगेगा। तब गुरुदेव ने कहा, तुम्हारी सारी एकाग्रता और लगन व्यापार करने में है अतः ध्यान में भी वही बातें तुम्हारे मानस को परेशान करती हैं और तुम्हारा मन व्यापार में ही लगा रहता है अतः ध्यान में तुम्हारा मन कैसे लगेगा। शिष्य को अपनी गलती का अहसास हो गया।

सन्देश

आज क्रान्ति की अत्यन्त आवश्यकता है। ऐसी क्रान्ति की जिसके संप्रवर्तकों में साधना और सेवा का द्वैत-अद्वैत भावापन्न हो। जिनका सर्वस्व साधना एवं सेवा हेतु समर्पित हो। जो यत-संयत- संयतानुप्राणित हो, जो श्रम, शम एवं सम से संप्रेरित हो, जिनमें सेवा की सुर-सरिता छलछलाती हो, स्नेह का निर्झर प्रस्फुटित हो, साधना की गरिमा से संपृक्त हो और शिक्षा से निष्णात हो। वे ही गौरवमयी परम्परा के जागरण एवं प्रतिष्ठापन में सहायक हो सकते हैं।

- जिनचन्द्र सूरि

जंगम युग प्रधान वृहत् भट्टारक
खरतरगच्छाधिपति जैनाचार्य 1008 श्रीपूज्य
श्री जिनचन्द्र सूरिजी महाराज साहब

सत्य साधना बाल वर्ग के लिए आवश्यक हैं श्रीपूज्य श्री जिनचंद्र सूरिजी महाराज साहब

बीकानेर 3 जून। सत्य साधना बालवर्ग के लिए सर्वाधिक आवश्यक है। संसाधन की नई प्रणालियों से बच्चों में प्रभाव बढ़ते जा रहे हैं। यही वजह है कि आज के युग के बालक - बालिकाएं प्रतिभाशाली होते हुए भी सुख-शांति से वंचित हैं। बड़ी सरल और सहज उपलब्ध विधि सत्य साधना से जुड़ने के बाद बाल साधक -साधिकाओं का चौमुखी विकास संभव होने लगता है। माता - पिता व अभिभावकों को चाहिए कि वे नई पीढ़ी को सत्य साधना की अमूल्य भेट दिलवाने में अहम भूमिका निभाए ताकि बाल वर्ग लाभांवित हो सके, यह उद्गार परम पूज्य गुरुदेव जैनाचार्य श्रीपूज्य श्री जिनचंद्र सूरिजी महाराज साहब ने कुशलायतन धरा पर हुए तीन दिवसीय सत्य साधना बाल शिविर के समापन

अवसर पर व्यक्त कियें।

शिविर प्रभारी श्री शालिनी लोढा ने बताया कि बाल शिविर में बच्चों को सत्य साधना के अनुभवी टीचर्स से बहुत कुछ सीखने को मिला। सभी ने गुरुदेव को सामूहिक वंदना प्रस्तुत की। गुरुदेव ने सभी को आशीर्वाद दिया।

शिविर में बाल साधक-साधिकाओं ने दिन-रात कैम्पस में ही प्रवास किया। ऑडियो एवं वीडियो के माध्यम से सत्य साधना पर बने कार्यक्रम भी बालक-बालिकाओं को सुनाए एवं दिखाए गए जिनसे सत्य साधना को अच्छे से समझ सकें। योग्य टीचर की देखरेख में सत्य साधना के विभिन्न सत्र आयोजित हुए।

बीते कल का अफ़सोस और आने वाले कल की चिंता दो ऐसे चोर हैं जो भीतर और बाहर की सारी समृद्धि को समाप्त कर देते हैं।

।। ॐ गुरवे नमः ।।

आत्मीय आमंत्रण

परम दिव्य आत्मन्

सादर नमन...

परम पावन गुरु-पूर्णिमा महापर्व

जंगम युग प्रधान, वृहत् भट्टारक, खरतरगच्छाधिपति, जैनाचार्य, 1008 श्रीपूज्यजी

श्री जिनचन्द्र सूरिजी महाराज साहब

के दिव्य आनंदमय सान्निध्य में आयोजित होगा

आप भी सपरिवार और समित्र अवश्य पधारिये

सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रवचन
दिनांक : 31 जुलाई, 2015 शुक्रवार
समय : प्रात: 9 बजे
स्थान : कुशलायतन, नाल, बीकानेर

बड़ा उपासरा खरतरगच्छ श्रीसंघ की मीटिंग
दिनांक : 30 जुलाई, 2015 गुरुवार
समय : सायं 7 बजे
स्थान : कुशलायतन, नाल, बीकानेर

निवेदक :

सुरेन्द्र डागा
मैनेजिंग ट्रस्टी
जैन यति गुरुकुल संस्थान

सुभाष धाड़ीवाल
अध्यक्ष
बड़ा उपासरा खरतरगच्छ श्रीसंघ

निवेदन : कृपया पधारने की पूर्व सूचना अवश्य देवें।

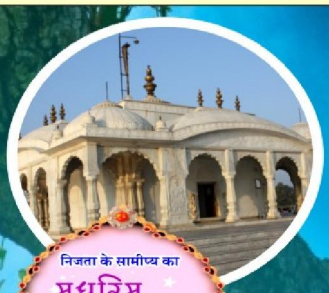

निजता के सामीप्य का मधुरिम आमंत्रण

परम दिव्य आत्मन्...

जंगम युग प्रधान, वृहत् भट्टारक, खरतरगच्छाधिपति, जैनाचार्य, 1008 श्रीपूज्यजी

श्री जिनचन्द्र सूरिजी महाराज साहब

के पावन सान्निध्य में

जैन श्वेताम्बर भण्डार तीर्थ, पावापुरी के द्वारा

दस दिवसीय सत्य साधना शिविर

का आयोजन **पावापुरी तीर्थ** में हो रहा है। इसके लिए नाम लिखाने की अंतिम तिथि 30-08-2015 है।

दिनांक : 30 सितंबर, 2015, बुधवार से
11 अक्टूबर, 2015, रविवार
स्थान : पावापुरी तीर्थ, जिला नालंदा - 803115

सम्पर्क सूत्र : 09430269838, 09836488880, 09474579641

सत्य साधना भावी शिविर

कुशलायतन
नाल, बीकानेर

आगामी सत्य साधना शिविर

01-08-2015 से 11-08-2015 (गुरुपूर्णिमा शिविर)
21-08-2015 से 01-09-2015
09-09-2015 से 16-09-2015 (पर्युषण शिविर)
21-09-2015 से 02-10-2015
30-09-2015 से 11-10-2015 (पावापुरी शिविर)
08-11-2015 से 12-11-2015 (दीपावली शिविर)
13-11-2015 से 24-11-2015
24-11-2015 से 04-12-2015
04-12-2015 से 14-12-2015
21-12-2015 से 01-01-2016
21-01-2016 से 01-02-2016
21-02-2016 से 03-03-2016
21-03-2016 से 01-04-2016
21-04-2016 से 02-05-2016
21-05-2016 से 01-06-2016
21-06-2016 से 02-07-2016

20 दिवसीय सत्य साधना शिविर
13-11-2015 से 04-12-2015
24-11-2015 से 14-12-2015

30 दिवसीय सत्य साधना शिविर
13-11-2015 से 14-12-2015

दस दिवसीय शिविर में 18 साल से ऊपर के सभी महिला-पुरुष शामिल हो सकते हैं। बाल शिविर में 8 से 18 वर्ष के सभी बालक-बालिकाएं शामिल हो सकते हैं। स्वयं शिविर केवल उनके लिये है, जिन्होंने कम से कम एक दस दिवसीय शिविर कर लिया हो। दस दिवसीय शिविर, बाल शिविर एवं स्वयं शिविर के लिए कम से कम पंद्रह दिन पूर्व बुकिंग अवश्य कराएं। 20-30 दिवसीय शिविरों के लिए कम से कम एक महीना पूर्व बुकिंग अवश्य करावें। जो कम से कम पाँच 10 दिवसीय शिविर कर चुके हैं और प्रतिदिन 2 घण्टे साधना पिछले एक वर्ष से अधिक समय से करते आ रहे हैं ऐसे साधक-साधिकाएँ 20 या 30 दिन के लिये बुकिंग करा सकते हैं। बुकिंग नीचे लिखे प्रकारों में से किसी एक प्रकार से करा सकते हैं-

- फोन : 0151-2886713 की Answering Machine पर अपना नाम, टेलीफोन/मोबाइल नम्बर और जिस कोर्स में शामिल हों उस कोर्स के माह और तारीख की सूचना देकर।
- E-mai : kushlayatan@gmail.com
- web: www.kushlayatan.com से फार्म भरकर
- पोस्ट अथवा कोरियर कर
- 0151-2886611 पर फैक्स कर

- सम्पर्क सूत्र -

सत्यम् शोध संस्थान, कुशलायतन
पो. नाल, बीकानेर - 334001 (राज.)
0151-2886731, 09829173801

बाल शिविर
कुशलायतन, नाल
में हर शनिवार को सुबह 9 से 11 बजे
8 से 18 वर्ष की आयु के सभी बालक- बालिकाएं
बाल शिविर में शामिल हो सकते हैं।
सम्पर्क सूत्र - 09929090893, 09929328856

एक-दिवसीय सत्य साधना शिविर
कुशलायतन, नाल
में हर रविवार को
प्रातः 9 से दोप. 3.00 बजे
उनके लिए जिन्होंने कम से कम एक
दस-दिवसीय सत्य साधना शिविर कर लिया है
शाम 3.00 से 4.00 बजे उनके लिए भी
जिन्होंने दस दिवसीय
सत्य साधना शिविर नहीं किया है।
सम्पर्क सूत्र - 09929090893, 09230550194

एक-दिवसीय सत्य साधना शिविर सभी के लिए
सत्य साधना केन्द्र, खेयादा-कोलकाता
में हर रविवार को
प्रातः 10 से दोप. 2.00 बजे
सम्पर्क सूत्र - 09836488880, 09239563511

बाल शिविर
रंग सूरि पौषाल, कोलकाता
हर शनिवार को दोप. 2 से 4 बजे
8 से 18 वर्ष की आयु के सभी बालक- बालिकाएं
बाल शिविर में शामिल हो सकते हैं।
सम्पर्क सूत्र - 09831389009, 09062651212

सत्य साधना (सभी के लिए)
हर सोमवार को सायं 6.00 से 7.00 बजे
स्थान : सी.ई. 107 साल्टलेक सिटी, कोलकाता
सम्पर्क सूत्र - राजमती कोठारी - 09830144444

हर शुक्रवार को सायं 6.00 से 7.00 बजे
स्थान : श्री सदन 13, वाटकिंग्स लेन हावड़ा
सम्पर्क सूत्र - सुरभि डागा - 09339917278

हर रविवार को सुबह 10.00 से 11.00 बजे
स्थान : ब्लॉक A-204, बांगुर एवेन्यू, कोलकाता
सम्पर्क सूत्र - आदित्य कोठारी - 09874255555
अनुराग बैद-09024358291

बड़ा उपासरा
रांगड़ी चौक, बीकानेर
में होने वाले कार्यक्रम

प्रतिदिन सामूहिक साधना
प्रातः 5.30 से 6.30 बजे
प्रातः 8.00 से 9.00 बजे
दोप. 2.30 से 3.30 बजे

सत्य साधना (सभी के लिए)
सायं 6.00 से 7.00 बजे

एक-दिवसीय सत्य साधना शिविर
में हर रविवार को
दोपहर 12 से सायं 6 बजे
उनके लिए जिन्होंने कम से कम एक
दस-दिवसीय सत्य साधना शिविर कर लिया है
सायं 6 से 7 बजे उनके लिए भी
जिन्होंने दस दिवसीय
सत्य साधना शिविर नहीं किया है।

दस दिवसीय सत्य साधना स्वयं शिविर बड़ा उपासरा में करने के लिये एक माह पूर्व बुकिंग कराएं।

सम्पर्क सूत्र - 09929328856, 09252060857

बाल शिविर
बड़ा उपासरा
रांगड़ी चौक, बीकानेर
हर रविवार को सुबह 9 से 11 बजे
8 से 18 वर्ष की आयु के सभी बालक- बालिकाएं
बाल शिविर में शामिल हो सकते हैं।
सम्पर्क सूत्र - 09929328856, 09252060857

एक-दिवसीय सत्य साधना शिविर
कुशल कॉम्प्लेक्स, महिदपुर
में हर सोमवार को
सुबह 5 से11 बजे
उनके लिए जिन्होंने कम से कम एक
दस-दिवसीय सत्य साधना शिविर कर लिया है
दोप.11 से 12 बजे उनके लिए भी
जिन्होंने दस दिवसीय
सत्य साधना शिविर नहीं किया है।
सम्पर्क सूत्र- 09425431474, 09424830612

बाल शिविर
कुशल कॉम्प्लेक्स, महिदपुर
हर रविवार को प्रातः 8 से 10 बजे
8 से 18 वर्ष की आयु के सभी बालक- बालिकाएं
बाल शिविर में शामिल हो सकते हैं।
सम्पर्क सूत्र -09425431466, 09685332221

RNI Regd. No. RAJHIN 2009/31656 डाक पंजीयन संख्या : बीकानेर/120/2013-2015

।। ॐ गुरुवे नमः ।।

सम्मान्नीय,

सादर जय जिनेन्द्र

परम पूज्य गुरुदेव, जंगम युग प्रधान वृहत् भट्टारक, खरतरगच्छाधिपति, जैनाचार्य, 1008 श्रीपूज्य

श्री जिनचन्द्र सूरिजी महाराज साहब

के पावन सान्निध्य में

साधनामय महापर्व पर्युषण

की आराधना होगी।

आप सभी सस्नेही सपरिवार पधारकर लाभ प्राप्त करें।

कार्यक्रम

दिनांक 9 सितंबर, 2015 बुधवार से 17 सितंबर, 2015 गुरुवार

सामूहिक साधना प्रतिदिन प्रातः 5.30 से 6.30, प्रातः 8.00 से 9.00

दोपहर 2.30 से 3.30 बजे एवं सायं 6.00 से 7.00

वीडियो प्रवचन प्रतिदिन प्रातः 9.00 बजे से, विषय : दिव्य महापर्व पर्युषण

स्थल : बड़ा उपासरा, रांगड़ी चौक, बीकानेर (राज.) एवं कुशलायतन, नाल-बीकानेर

सांवत्सरिक महापर्व

दिनांक 17 सितंबर, 2015 गुरुवार प्रातः 9.00 बजे कल्पसूत्र एवं शाम 4.00 बजे सांवत्सरिक प्रतिक्रमण

स्थल : बड़ा उपासरा, रांगड़ी चौक, बीकानेर (राज.)

आप सभी सपरिवार-सस्नेही पधारकर लाभ प्राप्त करें।

निवेदक : सुरेन्द्र डागा मो.9829173801

निवेदन : कृपया पधारने की पूर्व सूचना अवश्य देवें।

प्रेषक

सत्यम् शोध संस्थान

कुशलायतन

नाल-बीकानेर (राज.) पिनकोड 334001

प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक संगीता बोथरा द्वारा सत्यम् शोध संस्थान के लिये सांखला प्रिंटर्स, विनायक शिखर, शिवबाड़ी रोड, बीकानेर से मुद्रित तथा कुशलायतन, नाल-बीकानेर से प्रकाशित।

RNI Regd. No. RAJHIN 2009/31656

डाक पंजीयन संख्या : बीकानेर/120/2013-2015

प्रकाशन : प्रतिमाह दिनांक 15-16

पुस्त-प्रेष्य

श्री